विद्या भारती संकुल संवाद

सा विद्या या विमुक्तये

नवंबर 2024 | कार्तिक – मार्गशीर्ष (अगहन) । विक्रमी सं. 2081

एक अविस्मरणीय मील का पत्थर !
पंजीकृत पूर्व छात्रों की संख्या का आँकड़ा 10 लाख पार

पंजीकरण **100,0000** 18 नवंबर 2024

विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद

विश्व का सबसे बड़ा पंजीकृत पूर्व छात्र नेटवर्क

दुनिया भर के 100,0000 से अधिक पूर्व छात्र पंजीकृत हो चुके हैं और आगे भी जुड़ रहे हैं...
विद्या भारती परिवार की ओर से सभी को हार्दिक शुभकामनायें

विद्या भारती के पूर्व छात्र https://www.vidyabharatialumni.org/alumni/register पोर्टल पर पंजीकरण कर सकते हैं।

अखिल भारतीय विज्ञान मेला

अ. भा. संस्कृति महोत्सव

एटीएल इनोवेशन एक्सपो टेकाथान

जयपुर में अखिल भारतीय विज्ञान मेले का आयोजन

समापन समारोह में सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री राजस्थान सरकार श्री गौतम कुमार दक, जयपुर महानगर की मंजू शर्मा जी, निदेशक उत्कर्ष क्लासेस डॉ. निर्मल गहलोत, पश्चिम उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री डोमेश्वर साहू, आदि उपस्थित रहे।

जयपुर। सरस्वती बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय जयपुर में 13 से 16 नवंबर 2024 तक अखिल भारतीय विज्ञान मेले का आयोजन किया गया। मेले का उद्घाटन राजस्थान के शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर ने किया। इस अवसर पर पूर्व छात्र एवं एलेन (ALLEN) करियर इंस्टिट्यूट कोटा के निदेशक श्री नवीन माहेश्वरी ने विद्या भारती के छात्रों को कोचिंग के लिए विशेष पैकेज की बात कही। मेले में पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र को प्रथम स्थान मिला। विज्ञान मेले का विशेष आकर्षण विज्ञान वार्ता थी। जिसमें डीआरडीओ (DRDO) के सीनियर डायरेक्टर प्रो. रविंद्र कुमार अग्रवाल ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए मॉडल्स की सराहना करते हुए कहा कि हम मेहनत कर अपने देश को उन्नति के पथ पर अग्रसर करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। मेले में 177 भैया और 119 बहिनों ने प्रतिभाग किया। विद्या भारती के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष डॉ रवींद्र कान्हरे तथा अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोबिन्द चंद्र महंत पूरे समय उपस्थित रहे ।

एटीएल इनोवेशन एक्जीबिशन टेकाथान-2024, दिल्ली

दिल्ली। विद्या भारती एवं उन्नत भारत अभियान के संयुक्त तत्वावधान और नीति आयोग व एआईसीटीई के सहयोग से आईआईटी दिल्ली(IIT Delhi) में 9 से 11 नवंबर तक तीन दिवसीय अटल टिकरिंग लैब इनोवेशन एक्जीबिशन टेकाथान-2024 का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में तकनीकी नवाचार, नवप्रवर्तन, रचनात्मकता एवं उद्यम कौशल को प्रसारित करना था। इस आयोजन में देशभर के विद्यालयों से चयनित सर्वश्रेष्ठ 100 मॉडल प्रदर्शित किए गए। उत्कृष्ट माडल के लिए 22 विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए और 78 विद्यार्थियों को ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोबिन्द चंद्र महंत ने विद्यार्थियों को निरंतर नवाचार के माध्यम से देश की प्रगति में योगदान देने का संदेश दिया। विद्या भारती के महामंत्री श्री अवनीश भटनागर ने कहा कि विद्यार्थियों को नूतन तकनीक व नवीन आविष्कारों का उपयोग सामान्यजन के जीवन को सरल व उन्नत बनाने के लिए करना चाहिए। यही विद्या भारती का लक्ष्य भी है। हमें उन तकनीकों को निर्मित करना है जो भारत को सशक्त, स्वाबलंबी व तकनीकी रूप से सक्षम व आत्मनिर्भर बना सकें। अटल इनोवेशन मिशन नीति आयोग की प्रोग्राम डायरेक्टर सुश्री दीपाली उपाध्याय ने कहा कि विद्यार्थियों को जॉब सीकर के बजाए जॉब प्रोवाइडर बनना चाहिए। इस दौरान अटल इनोवेशन मिशन, नीति आयोग एवं विद्या भारती के संगठन मंत्री श्री गोबिन्द चंद्र महंत के मध्य समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया। टेकाथान में नितिन चौबे, विद्या भारती अखिल भारतीय एटीएल कोआर्डिनेटर, नरेंद्र सिंह जैसल सीनियर प्रिंसिपल साइंटिस्ट सीएसआईआर चंडीगढ, क्षेत्रीय महामंत्री विद्या भारती उत्तर क्षेत्र श्री देशराज शर्मा, कमल किशोर सिन्हा मंत्री, विद्या भारती, सतीश माहेश्वरी मंत्री, समर्थ शिक्षा समिति डॉ. आलोक चौबे रजिस्ट्रार इग्नू आदि ने भी विचार व्यक्त किए। इस आयोजन में मीता बोलिया सीनियर मैनेजर उन्नत भारत अभियान, एनसीआई आईआईटी दिल्ली, शालिनी मिड्ढा कार्यक्रम संयोजिका और मानवी अजीत सिंह सीनियर साइंटिस्ट, उन्नत भारत अभियान, नीति आयोग का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

विद्यालयों और कालेजों को गांवों से समन्वित करने का संकल्प

नेशनल कॉर्डिनेटर उन्नत भारत अभियान प्रो. वी. के. विजय ने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना ग्रामों के बिना अपूर्ण है। इसलिए हमें देश के प्रत्येक विद्यालय को गांवों से समन्वित करने का संकल्प करना है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे उत्पादों का विकास करना चाहिए जो समाज के पिछड़े क्षेत्रों में भी उपयोगी और सुलभ हों। वाइस चेयरमैन एआईसीटीई प्रो. अभय जेरे ने विद्यार्थियों से अपने कार्य के प्रति दृढ़ संकल्पित, निष्ठावान और समर्पित रहने का आग्रह किया। डॉ रवींद्र कन्हेरे उपाध्यक्ष विद्या भारती ने आत्मनिर्भर रक्षा तकनीक के विकास को महत्वपूर्ण बताया और भारतीय समाज की आवश्यकताओं के अनुसार तकनीकी विकास का आह्वान किया। आर. पी. खेतान उपाध्यक्ष विद्या भारती ने भारतीय संस्कृति एवं वैदिक ज्ञान का उपयोग करते हुए समाज के उत्थान के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी।

भारतीय नवाचारों ने पर्यावरण को क्षति पहुंचाए बिना किया विकास

प्रो. वी.एन. चारियार सीआरडीटी, आईआईटी दिल्ली ने बताया कि भारत ने सदैव विज्ञान के क्षेत्र में ऐसे नवाचार किए हैं जो पर्यावरण को क्षति पहुंचाए बिना विकास को बढ़ावा देते हैं। भारतीय विज्ञान की यह विशेषता डिजाइन इंजीनियरिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भी हमारे लिए एक आदर्श मार्ग है। प्रो. पारस सिंगला, हेड, स्कूल ऑफ एआई ने कहा कि एआई (AI) का विकास मानव आवश्यकताओं के अनुरूप होना चाहिए, जिसमें भारतीय व पश्चिमी विज्ञान और तकनीक का समन्वय हो। उन्होंने सुझाव दिया कि भारतीय मूल्यों की विशेषता से सुसज्जित एआई के उपयोग से तकनीक और मानव के मध्य बेहतर समन्वय बन सकता है। प्रो. वी.के.विजय नेशनल कोर्डिनेटर उन्नत भारत अभियान ने एआई और डिजाइन इंजीनियरिंग के संभावित दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला और कहा कि एआई का प्रयोग सतर्कता व नैतिकता के साथ किया जाना चाहिए। प्रो. पी.एम.वी. राव, मैकेनिकल इंजीनियरिंग एंड डिजाइन ने कहा कि डिजाइन इंजीनियरिंग के क्षेत्र में एआई के प्रयोग से उत्पादों के डिजाइन में अधिक सटीकता और कुशलता लाई जा सकती है, लेकिन एआई पर अत्यधिक निर्भरता से रचनात्मकता की कमी हो सकती है।

आगे जारी ...

इसलिए एआई(AI) को एक सहायक साधन के रूप में देखना चाहिए न कि प्रतिस्थापन के रूप में।

ग्रामोदय परिसर और प्रयोगशालाओं का भ्रमण

टेकाथान में प्रतिभाग कर रहे विद्यार्थियों को आईआईटी दिल्ली स्थित ग्रामोदय परिसर एवं वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं का भ्रमण भी कराया गया। मेकर स्पेस लैब में थ्री डी प्रिंटर, लेज़र कटिंग मशीन, सीएनसी मिलिंग मशीन, सोल्डरिंग स्टेशन जैसे उपकरणों के बारे में जानकारी दी गई। भौतिकी प्रयोगशाला में विद्यार्थियों ने स्पेक्ट्रोमीटर, वैक्यूम पंप, ऑसिलोस्कोप और वैन डे ग्राफ जेनरेटर जैसे उपकरणों का उपयोग कर प्रकाश के विश्लेषण, शून्य दबाव के निर्माण, विद्युत चुम्बकीय तरंगों के मापन और स्थिर विद्युत आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की। रोबोटिक्स लैब में विद्यार्थियों ने रास्पबेरी पाई, एलआईडीएआर सेंसर, आईआर व अल्ट्रासोनिक सेंसर का प्रयोग कर रोबोटिक संचालन, स्थान-मानचित्रण और वस्तुओं की पहचान की प्रक्रिया की जानकारी ली। विद्यार्थियों ने गोबर के उपयोग से निर्मित घर का भी अवलोकन किया।

टेकाथान में प्रदर्शित प्रमुख माडल

प्रदर्शनी के मुख्य विषयों में पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा संवर्द्धन, कृषि सुधार, ड्रोन निर्माण तकनीक, शैक्षिक नवाचार आदि शामिल रहे। **इनमें ये माडल प्रमुख रहे-**

जल शोधन यंत्र: फ़ैक्ट्रियों के दूषित जल को 6 चरणों में शुद्ध कर पुनः उपयोग हेतु तैयार करना।

कृत्रिम 3डी प्रिंटेड हाथ: मोशन सेंसर और पल्स सेंसर का उपयोग कर विशेष रूप से दिव्यांगों के लिए सहायक उपकरण का निर्माण।

अर्डइनो आधारित मंगल रोवर: रोवर में कैमरे का प्रयोग कर मंगल ग्रह की स्पष्ट तस्वीरें लेना, सौर ऊर्जा से ईंधन की खपत में कमी और जीपीएस से स्थान निर्धारण करना।

ड्रोन डिलीवरी नेटवर्क: प्रदूषण में कमी लाना, विशेष रूप से अस्पतालों के लिए उपयोगी, आपातकालीन परिस्थितियों में सहायता प्रदान करना।

एफएफडी (अग्निशमन ड्रोन): कार्बन डाइऑक्साइड गैस के प्रयोग से आग को बुझाना, सौर एवं पवन ऊर्जा द्वारा संचालन, आग से होने वाले नुकसान को न्यूनतम करना।

स्कूल इनोवेशन मैराथन

शुभम गुप्ता इनोवेशन हेड, अटल इनोवेशन मिशन, नीति आयोग एवं सुमन पंडित यंग प्रोफ़ेशनल, अटल इनोवेशन मिशन, नीति आयोग ने स्कूल इनोवेशन मैराथन की औपचारिक घोषणा की। यह मैराथन शिक्षा मंत्रालय, एआईसीटीई, नीति आयोग व एटीएल द्वारा सामूहिक रूप से संचालित किया जा रहा है, जिसमें अब तक 1 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने पंजीकरण किया है। इस वर्ष का मुख्य विषय 'विकसित भारत 2047' है, जिसमें कौशल विकास, योग्यता संवर्धन और नवीन क्षमता निर्माण जैसे प्रमुख आयाम शामिल हैं।

परिवार प्रबोधन व्याख्यानमाला

भारत का विश्व को अनूठा उपहार है परिवार की संकल्पनाः अवनीश जी

इंदौर। विद्वत परिषद, इंदौर मालवा प्रान्त की ओर से लता मंगेशकर सभागृह में परिवार प्रबोधन व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्या भारती के राष्ट्रीय महामंत्री श्री अवनीश भटनागर ने कहा कि टूटते परिवार भारत ही नहीं पूरी दुनिया की बड़ी समस्या हैं। भारतीय संस्कृति के विकसित रूप में परिवार की संकल्पना अधिक व्यापक एवं विशाल है। परिवार की संरचना से मनुष्य मानसिक, भावनात्मक और अच्छे स्वभाव का धनी बनता है। हमारे पूर्वजों द्वारा विकसित यह सामाजिक व्यवस्था आज बिखरती जा रही है। टूटते परिवार और रिश्ते आज हमारी ही नहीं पूरे विश्व की विकराल समस्या बन गए हैं। परिवार समाज जीवन का आधार है।

परिवार की आवश्यकता और सामूहिकता पर बल देते हुए कहा कि परिवार की संकल्पना भारत द्वारा विश्व को दिया हुआ महत्वपूर्ण उपहार है। यह हमारे मनीषियों के चिंतन की मौलिकता से उभरकर आया अमृत कुंभ है। आज संपूर्ण विश्व भारतीय परिवार संस्था की शाश्वतता, चिरंतनता, मौलिकता से आश्चर्यचकित है।

अध्यक्षता करते हुए मोयरा सरिया के एम डी श्री पवन सिंघानिया ने कहा कि एक बच्चे के जीवन में सारे रिश्ते और संबोधन रंग भरते हैं और उसे उत्तरदायित्व की गंभीरता प्रदान करते हैं। विद्या भारती मालवा प्रांत के प्रांत प्रमुख श्री पंकज पवांर ने संस्कृति बोधमाला एवं देवपुत्र का दैनिक जीवन में महत्व बताया। व्याख्यानमाला में विद्या भारती मध्य क्षेत्र के अध्यक्ष श्री विवेक शेण्ड्ये, विद्या भारती मालवा प्रांत के संगठन मंत्री श्री योगेश शर्मा, अध्यक्ष डॉ. कमल किशोर चितलांग्या, सचिव श्री प्रकाश चंद्र धनगर, सह सचिव श्री राकेश भावसार व हिना दीदी, श्री केशव गुप्ता आदि उपस्थित रहे। संचालन श्री कमल बावड़ीवाल ने किया। मां देवी अहिल्या के जीवन प्रसंग पर सरस्वती विद्या मंदिर माणिक बाग सीबीएसई इंदौर ने आकर्षक प्रस्तुति दी। केशव विद्यापीठ के छात्रों ने सरस्वती वंदना पर नृत्य प्रस्तुत किया।

अखिल भारतीय संस्कृति महोत्सव, 2024: उज्जैन

उज्जैन | मध्य प्रदेश के मालवा प्रान्त में 36 वें अखिल भारतीय संस्कृति महोत्सव का आयोजन 16 से 19 नवम्बर 2024 को सरस्वती विद्या मंदिर, ऋषिनगर, उज्जैन में किया गया। इसमें में विद्या भारती के 10 क्षेत्रों से 417 प्रतिभागी भैया-बहिन, 80 संरक्षक आचार्यों एवं संपूर्ण व्यवस्था में लगे लगभग 100 कार्यकर्ताओं ने महोत्सव को भव्य बनाने में श्रेष्ठ योगदान दिया। महोत्सव में अखिल भारतीय स्तर पर संस्कृति ज्ञान प्रश्नमंच, कथा-कथन, तात्कालिक भाषण, पत्र-वाचन, मूर्ति कला आदि स्पर्धाओं के साथ-साथ लोक नृत्य प्रदर्शन सम्मिलित थे, जिनमें कक्षा 4 से 12 तक के विद्यार्थियों ने शिशु, बाल, किशोर और तरुण वर्ग में प्रतिभागिता की।
संस्कृति महोत्सव में 16 नवम्बर 2024 को शहीद राजाभाऊ महाकाल संस्कृति दीर्घा (प्रदर्शनी) का लोकार्पण मुख्य अतिथि श्री नवनीत भसीन, डी.आई.जी. पुलिस, उज्जैन, विशेष अतिथि श्री बालकृष्ण शर्मा, पूर्व कुलपति, उज्जैन, डॉ. अंशु घोष, एम.डी.गायनोलॉजिस्ट की अध्यक्षता में हुआ। 17 नवंबर 2024 को महोत्सव के विधिवत् उद्घाटन समारोह में मंचासीन मुख्य अतिथि श्री बालयोगी उमेशनाथ जी महाराज, सांसद राज्यसभा, विशेष अतिथि श्री गौतम टेटवाल, प्रभारी मंत्री उज्जैन मध्य प्रदेश शासन, श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, विधायक, श्रीमती साधना भंडारी की अध्यक्षता, सानिध्य डॉ. ललित बिहारी गोस्वामी एवं क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री भालचंद रावले का रहा। महोत्सव की भूमिका डॉ॰ रामेन्द्र सिंह, निदेशक, संस्कृति शिक्षा संस्थान ने रखी। मुख्य अतिथि बालयोगी उमेशनाथ महाराज ने उद्बोधन में संस्कृति से जुड़े हुए आयोजनों का होना भारतवर्ष के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण बताया। 17 एवं 18 नवम्बर को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें लोकनृत्यों की सार्वजनिक प्रस्तुति हुई । 19 नवम्बर को प्रश्नमंच (तरुण वर्ग) एवं आचार्य पत्र-वाचन तथा संस्कृति वार्ता हुई, मुख्य अतिथि पं.श्यामजी मनावत प्रसिद्ध भागवताचार्य ने प्रतिभागियों को प्रेरणादायी उद्बोधन दिया।
समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत केन्द्रीय संस्कृति मंत्री, भारत सरकार, मुख्यवक्ता श्री अवनीश भटनागर, महामंत्री विद्या भारती, विशिष्ट अतिथि श्री अनिल फिरोजिया, सांसद, विशेष अतिथि महापौर उज्जैन रहे। ओवरऑल चैम्पियनशिप पश्चिमी उत्तरप्रदेश क्षेत्र, द्वितीय स्थान पर उत्तरपूर्व क्षेत्र एवं तृतीय स्थान पर पूर्वी उत्तरप्रदेश क्षेत्र रहे। प्रश्नमंच के शिशु वर्ग में प्रथम स्थान पर पूर्वी उत्तरप्रदेश क्षेत्र, द्वितीय पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र और तृतीय स्थान पर राजस्थान क्षेत्र रहे। बाल वर्ग में प्रथम स्थान पर पश्चिमी उत्तरप्रदेश क्षेत्र, द्वितीय पूर्वी उत्तरप्रदेश क्षेत्र और तृतीय स्थान पर उत्तरपूर्व क्षेत्र रहे। किशोर वर्ग में प्रथम स्थान पर उत्तरपूर्व क्षेत्र, द्वितीय पूर्व क्षेत्र, तृतीय राजस्थान क्षेत्र रहे। तरुण वर्ग में प्रथम स्थान पर उत्तर क्षेत्र, द्वितीय पश्चिमी उत्तरप्रदेश क्षेत्र एवं तृतीय मध्य क्षेत्र रहे।

जाकिनेई खोउब्वे को कृष्णचंद्र गांधी पुरस्कार

कोहिमा। पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति की ओर से कोहिमा में 18वें कृष्णचंद्र गांधी पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नागालैंड के शिक्षा और हिंदी प्रचारक श्री जाकिनेई खोउब्वे को उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सम्मान स्वरूप मानपत्र, स्थानीय परंपरागत वस्त्र और एक लाख रुपये की धनराशि प्रदान की गई। श्री खोउब्वे ने नागालैंड में हिंदी भाषा के प्रचार के लिए उल्लेखनीय कार्य किया है। इसमें कोहिमा हिंदी शिक्षक संघ की स्थापना और एससीईआरटी (SCERT) कोहिमा के सहयोग से कक्षा 5 से 8 तक के लिए हिंदी पाठ्यपुस्तकों का विकास शामिल है।

शिक्षा प्रणाली में एनईपी (NEP) की है परिवर्तनकारी भूमिका

इस अवसर पर "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में चुनौतियाँ" विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए नगालैंड के उच्च शिक्षा मंत्री श्री तेमजेन इम्ना अलोंग ने राज्य की शिक्षा प्रणाली में एनईपी की परिवर्तनकारी भूमिका पर चर्चा की। एससीईआरटी के सलाहकार डॉ. केख्रिएलहौली योम ने कहा कि बालिकाओं के मध्य साक्षरता एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। इसे सुधारने के लिए विद्या भारती द्वारा संचालित कौशल विकास केंद्रों के माध्यम से प्रयास किए जा रहे हैं। विद्या भारती के अध्यक्ष श्री दूसि रामकृष्ण राव ने एनईपी 2020 को शैक्षिक प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव बताया। नागालैंड के मुख्य सचिव डॉ. जे आलम ने राज्य सरकार की ओर से एनईपी 2020 के लक्ष्यों को पूरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। राज्यपाल के सचिव और उच्च एवं तकनीकी शिक्षा सचिव श्री राजेश सुंदरराजन ने शिक्षा के उत्थान में विद्या भारती के योगदान की सराहना की। इस अवसर पर विद्या भारती के मंत्री श्री ब्रह्माजी राव आदि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर हिंदी विद्वान और साहित्यकार पद्मश्री प्याँग तेमजेन जमीर की पुस्तक का विमोचन भी किया गया। संगोष्ठी का आयोजन नागालैंड सरकार के उच्च शिक्षा मंत्रालय और पूर्वोत्तर जनजाति शिक्षा समिति के सहयोग से किया गया। विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र और अन्य शैक्षणिक एवं स्थानीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी की।

गुरु नानक देव जी की जयंती

विद्या भारती के विद्यालयों में मनाया गया गुरु नानक देव जी का जन्मोत्सव (कुछ झलकियां)

अखिल भारतीय गणित मेला - 2024, ओडिशा

ओडिशा | विद्या भारती अखिल भारतीय गणित मेला, 19 से 22 नवम्बर तक सरस्वती शिशु मंदिर, गान्धीमार्ग, अनुगुल ओडिशा में आयोजित हुआ।
19 नवम्बर को कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. लक्ष्मीकान्त महाराणा की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि प्रो. यशोवन्त जेना, निदेशक, गणित प्रयोग प्रतिष्ठान, ओडिशा तथा मुख्य वक्ता श्री श्रीराम आरावकर अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री, विद्या भारती के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ।मेले में आए देशभर के प्रतिभागियों द्वारा क्षेत्रीय स्तर पर प्रथम स्थान वाले प्रतिभागियों के बनाए गणित के प्रयोग आधारित मॉडलों की प्रदर्शनी को अवलोकन हेतु कार्यक्रम स्थल पर सजाया गया।
20 से 22 नवम्बर तक क्षेत्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागियों के बीच वैदिक गणित प्रश्नमंच, गणित प्रयोग, गणित पत्रवाचन तथा गणित पत्र प्रस्तुति आचार्यों हेतु प्रतिस्पर्धा का आयोजन हुआ।
मेले का समापन 22 नवम्बर को प्रातः 10 बजे डॉ किशोरचंद महान्ति, अध्यक्ष व मुख्य अतिथि प्रो. हृषिकेश सेनापति, प्रोफेसर शिक्षा विभाग, आंचलिक शिक्षा प्रतिष्ठान, ओडिशा, पूर्व निदेशक एन.सी.ई.आर.टी. की उपस्थिति तथा मुख्य वक्ता श्री गोबिन्द चन्द्र महन्त, अखिल भारतीय संगठन मंत्री, विद्या भारती के सान्निध्य में हुआ।
मेले का वृत श्री देवेन्द्रराव देशमुख, अखिल भारतीय संयोजक वैदिक गणित ने रखा। श्री प्रसन्न साहू, अखिल भारतीय सह संयोजक तथा टोली के द्वारा प्रतियोगिता का परिणाम तैयार किया गया।
प्रतियोगिताओं में ओवर ऑल चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र, द्वितीय स्थान दक्षिण मध्य क्षेत्र तथा तृतीय स्थान पूर्व क्षेत्र ने प्राप्त किया।

नवनिर्मित भवन का लोकार्पण

पिथौरागढ़। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूज्य सरसंघचालक मा. मोहन भागवत जी ने शेर सिंह कार्की सरस्वती विहार मुवानी ज़िला पिथौरागढ़ उत्तराखंड के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया।

दो दिवसीय प्रधान शिक्षक चिंतन वर्ग

हैदराबाद। श्री सरस्वती विद्यापीठ शारदा धाम, हैदराबाद तेलंगाना में दो दिवसीय प्रधान शिक्षक चिंतन वर्ग का आयोजन 16-17 नवंबर 2024 को किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र संगठन मंत्री श्री सुधाकर रेड्डी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. उमा महेश्वर राव क्षेत्र अध्यक्ष, डॉ. तिरूपति राव, सेवानिवृत्त कुलपति प्रदेश अध्यक्ष आदि उपस्थित रहे।

अंग्रेजी संवाद पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम

विद्या भारती ने प्रस्तुत किया आदर्श शिक्षा माडलः डोमेश्वर जी

नोएडा। भाऊराव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर, नोएडा में 14 नवंबर 2024 को अंग्रेजी संवाद के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्या भारती पश्चिम उत्तर प्रदेश के क्षेत्र संगठन मंत्री श्री डोमेश्वर साहू ने कहा कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली के अनुसार, विचार और सिद्धांत हमारे राष्ट्र से सीधे जुड़े हुए हैं। शिक्षा अब भारत केंद्रित है।

विद्या भारती के दृष्टिकोण और लक्ष्य के अनुसार हम हिंदुत्व के प्रति प्रतिबद्ध हैं और देशभक्ति के उत्साह से ओत-प्रोत हैं।

श्री डोमेश्वर साहू ने पंचकोश विकास पर जोर दिया और कहा कि हम भारतीय शिक्षा दर्शन पर आधारित शिक्षा में विश्वास करते हैं। हमने एक आदर्श शिक्षा मॉडल प्रस्तुत किया है। वर्तमान परिदृश्य में अंग्रेजी संवाद की आवश्यकता एवं महत्ता को ध्यान में रखते हुए कक्षाओं में गतिविधियाँ संचालित करनी होंगी। हमें बिना किसी हिचकिचाहट के अपने विचार अंग्रेजी में भी व्यक्त करने चाहिए।

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र का प्रधानाचार्य सम्मेलन

सकारात्मक परिवर्तन के लिए संस्कारयुक्त शिक्षा जरूरी: अवनीश जी

असम | विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय प्रधानाचार्य सम्मेलन में अखिल भारतीय महामंत्री श्री अवनीश भटनागर ने कहा कि सकारात्मक परिवर्तन के लिए संस्कारयुक्त शिक्षा आवश्यक है। आपने पंचकोशात्मक विकास एवं पंचपदी शिक्षण पद्धति पर भी मार्गदर्शन किया।
अखिल भारतीय मंत्री श्री ब्रह्माजी राव ने पूर्वोत्तर भारत में जनजाति शिक्षा की स्थिति के बारे में जानकारी दी।

सीमावर्ती क्षेत्र के संबंध में क्षेत्रीय संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी ने प्रकाश डाला। रूक्मा गोहाईंबरुआ जी ने शिक्षा व्यवस्था, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, आचार्यों की समाज परिवर्तन में भूमिका, प्रधानाचार्यों के कर्तव्य के बारे में जानकारी दी। केंद्रीय विश्वविद्यालय त्रिपुरा के कुलपति एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रो.गंगा प्रसाद परसाईं एवं क्षेत्रीय मंत्री डॉ जगदीन्द्र राय चौधुरी ने भी विचार व्यक्त किए। प्रसिद्ध कलाकार, कवि एवं राष्ट्रीय चिंतक बाबा सत्यनारायण मौर्य ने रंगमंचीय कार्यक्रम में राष्ट्र अर्चना प्रस्तुत की।

राज्यपाल श्री ओम प्रकाश माथुर को भेंट किया विद्या भारती का साहित्य

गान्तोक। विद्या भारती सिक्किम प्रान्त के पदाधिकारियों ने 13 नवम्बर को अध्यक्ष श्री चन्द्र कुमार राई के नेतृत्व में राज्यपाल श्री ओम प्रकाश माथुर से राजभवन गान्तोक में भेंट की और विद्या भारती का साहित्य भेंट किया। महामंत्री श्री विजय कुमार शर्मा ने विद्या भारती सिक्किम के पदाधिकारियों का परिचय कराया। इस अवसर पर विद्या भारती सिक्किम की वर्तमान स्थिति, प्रकल्प, आगामी योजनाओं, समाज का सहयोग आदि पर चर्चा हुई। राज्यपाल महोदय ने संस्कृति बोध माला एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप विद्या भारती की नई पुस्तक भारतीय शिक्षा में पंचकोशात्मक एवं समग्र विकास की संकल्पना का विमोचन किया। इस दौरान कार्यकारिणी सदस्य श्री राज कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्रीमती तारा शर्मा, संयोजक श्री मोहन शर्मा, सह मंत्री श्री अजित लिम्बु आदि उपस्थित रहे।

महामहिम राष्ट्रपति से मिले सर्वहितकारी विद्या मंदिर के छात्र

सर्वहितकारी विद्या मंदिर भोआ के लिए 14 नवंबर 2024 का दिन अत्यंत गर्व, सौभाग्य एवं हर्ष का दिन रहा जब विद्यालय के विद्यार्थियों को राष्ट्रपति भवन से आए निमंत्रण पर नई दिल्ली जाकर महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी से भेंट करने सौभाग्य प्राप्त हुआ। विद्यालय के चार विद्यार्थियों गौरी, गुरुपूर्णिमा, शिवांश, विराज ने प्रधानाचार्य ज्योति शर्मा जी व आचार्य सुरेखा जी के साथ महामहिम राष्ट्रपति से भेंट की।

सिक्किम में एक और सरस्वती संस्कार केंद्र का शुभारंभ

विद्या भारती सिक्किम के अन्तर्गत उत्तर जिला में संचालित सरस्वती संस्कार केन्द्र देशभक्ति, संस्कार, भारतीय परम्परा, शिक्षा, संगीत, खेलकूद आदि के माध्यम से बच्चों का सर्वांगीण विकास करने के लिए प्रयासरत है। श्रीमती शान्ति विश्वकर्मा एवं श्रीमती चन्द्रा सुब्बा आचार्य के रूप में सेवाभाव से केन्द्र को देख रहे हैं। पर्यावरण, जल, ऊर्जा संरक्षण, स्वास्थ्य शिविर, शैक्षिक गतिविधियां सरस्वती संस्कार केन्द्र के माध्यम से होती हैं। यह केन्द्र समाज को जोडने का काम करता है। संस्कार केन्द्र सुदूर जनजातीय, सीमांत क्षेत्र, चाय बागान, समुद्र तटीय व पहाडी क्षेत्र में संचालन किए जा रहे हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष एवं विद्या भारती सिक्किम के रजत जयन्ती वर्ष के उपलक्ष्य में योजनानुसार कार्य का विस्तार-विकास किया जा रहा है। इसके तहत 23 नवम्बर को पश्चिम सिक्किम के गेजिग विकास खण्ड अन्तर्गत एक और सरस्वती संस्कार केन्द्र का शुभारंभ किया गया है। शुभारंभ वार्ड पार्षद श्री पासंग भूटिया, विद्या भारती सिक्किम की कार्यकारिणी सदस्य, संस्कार केन्द्र योजना प्रमुख कृष्णा कुमारी सुब्बा जी ने किया। इस संस्कार केन्द्र का संचालन समाज सेवक श्री भक्त कुमार लिम्बु के निवास पर होगा। केन्द्र के संचालन के लिए 7 सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। वर्तमान में प्रान्त में चार संस्कार केन्द्र संचालित किए जा रहे हैं।

मातृ सम्मेलन का आयोजन

सिलचर। विद्या भारती दक्षिण असम प्रांत के अंतर्गत सिलचर संकुल में लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में मातृ सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशेष योगदान देने के लिए 15 महिलाओं को सम्मानित किया गया। सम्मेलन में अखिल भारतीय मंत्री श्री ब्रह्माजी राव, असम विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग की प्रधान डॉ सुपर्णा राय, डॉ शमिता भट्टाचार्य, शिक्षा विकास परिषद की उपाध्यक्ष डॉ मालविका भट्टाचार्य, शिक्षा विकास परिषद के मंत्री डॉ दीपांकर पाल, शिक्षा विकास परिषद के संरक्षक श्री निखिल भूषण डे, प्रांत संगठन मंत्री श्री महेश भागवत, प्रांत प्रशिक्षण प्रमुख श्री पिंकू मालाकार, शिक्षा विकास परिषद के उपाध्यक्ष श्री अपूर्व कुमार नाथ, प्रकाशन विभाग की अध्यक्ष श्रीमती सुदीप्ता भट्टाचार्य, सिलचर संकुल मातृ सम्मेलन की अध्यक्ष श्रीमती लाकी चौधरी, मातृ सम्मेलन की मंत्री श्रीमती पापिया चक्रवर्ती आदि उपस्थित रहे।

उपलब्धियां

डॉ पूजा को युवा नेतृत्व के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा पुरस्कार

गुरुग्राम, 30 नवंबर, 2024 - डॉ पूजा, समयदानी कार्यकर्ता विद्या भारती उत्तर पूर्व क्षेत्र और शैलपुत्री कात्यायनी फाउंडेशन की निदेशक, को युवा नेतृत्व के लिए प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार समारोह गुरुग्राम के होटल लेमन ट्री में आयोजित किया गया था, इसमें दुनिया भर से 200 पुरस्कार विजेताओं और विशेषज्ञों ने भाग लिया। यह पुरस्कार युवा नेतृत्व में डॉ. पूजा के उत्कृष्ट योगदान और दुनिया में सकारात्मक प्रभाव डालने के उनके समर्पण को मान्यता देता है। उन्हें वैश्विक स्तर पर शीर्ष 30 युवा नेताओं में से एक के रूप में चुना गया था, और उनकी उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

समारोह में निम्नलिखित मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे:
- श्री जॉर्जी कोचुपुराकल, संस्थापक अध्यक्ष और परिषद निदेशक, गवर्नर कमीशन ऑन करेक्शन्स रिफॉर्म
- माननीय श्री सोम प्रकाश, आईएएस, पूर्व केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री, भारत सरकार
- माननीय श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय में पूर्व राज्य मंत्री, भारत सरकार
- माननीय श्रीमती हरिसोआ लालतियाना एकौचे, भारत में सेशेल्स उच्चायुक्त
- श्रीमती रीता मैथ्यू बेंजामिन, पूर्व अध्यक्ष, डॉ. बी.आर. अंबेडकर डिग्री कॉलेज
- डॉ. सेनोरिटा इसाक, व्यापार आयुक्त, लैटिन अमेरिकी कैरेबियन व्यापार परिषद
- डॉ. जेफ मैजिनी, संस्थापक और प्रबंध निदेशक, एएएमसी प्रशिक्षण समूह, ऑस्ट्रेलिया

संकुल संवाद की ओर से डॉ पूजा जी को हार्दिक शुभकामनाएं !

पूर्व छात्रा डॉ दिव्या पोखरेल ने INI-CET में हासिल किया 99.8 पर्सेंटाइल

विद्या भारती सिक्किम अन्तर्गत कालिम्पोङ जिला पश्चिम बंगाल के कागे ग्रामीण में स्थित देवका सरस्वती शिशु मन्दिर की पूर्व छात्रा डा, दिव्या पोखरेल ने एम्स नई दिल्ली द्वारा संचालित INI-CET परीक्षा में सामान्य श्रेणी में 99.8 पर्सेंटाइल प्राप्त कर अखिल भारतीय रैंक 120 हासिल की है। संकुल संवाद की ओर से डॉ दिव्या जी को हार्दिक शुभकामनाएं !

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

प्रज्ञा सदन

जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, नेहरू नगर,
महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली - 110065

@VidyaBharatiIN

www.vidyabharti.net www.vidyabharatisamvad.com

Email : vbabss@yahoo.com | vbsamvad@gmail.com

Contact Us : 91 - 11 -29840013, 29840126, 20886126

सेवा में ,